अपने लगातार पांचवें संस्करण के साथ एक बार फिर लौटा सिखलेंस

समुदायो को एकजुट करने के उद्देश्य से सिख कला और फिल्म महोत्सव का उत्तम समावेश है 'सिखलेंस: सिख आर्ट एंड फिल्म फेस्टिवल'

चंडीगढ़, 15 फरवरी, 2024: आगामी 24 फरवरी 2024 (शनिवार) को सेक्टर 18 स्थित टेगौर थियेटर में आयोजित किये जाने वाले 'सिखलेंस: सिख आर्ट एंड फिल्म फेस्टिवल 2024' के दौरान पांच देशों के 17 फिल्मों की स्क्रिनिंग आयोजित की जायेगी। यह पहल 'नॉट-फॉर-प्रोफिट' प्रयास है जिसे सिखलेंस फाउंडेशन द्वारा पिनाका मीडियावक्र्स, रोलिंग फ्रेम्स एंटरटेनमेंट के सहयोग से किया जा रहा है। यह आयोजन यूटी प्रशासन के सांस्कृतिक मामलों के विभाग और यूनाइटेड सिख मिशन द्वारा समर्थित है। इस वर्ष प्रदर्शित होने वाली फिल्में भारत, कनाडा, यूएसए, यूके, पाकिस्तान और पेरु सहित विभिन्न देशों से हैं, जिन्हें सिखलेंस इंडिया फेस्टिवल निदेशालय द्वारा आमंत्रित ऑफिशियल एंट्री के माध्यम से सिखलेंस द्वारा प्राप्त एंट्रियां में से चुना गया है । यह प्रक्रिया 2023 में सम्पन्न हुई थी।

गुरुवार को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान इस एक दिवसीय कार्यक्रम का विवरण देते हुये सिखलेंस के संस्थापक बिक्की सिंह और गुरप्रीत कौर सिंह तथा सिखलेंस इंडिया के फेस्टिवल डायरेक्टर और भारत के राष्ट्रपति से नैश्नल फिल्म अवार्ड 'रजत कमल' विजेता ओजस्वी शर्मा ने बताया कि यह आयोजन एक ऐसा मंच है जो पिछले कुछ सालां से सिख प्रवासी, इतिहास, संस्कृति, विरासत और दुनिया भर में फैले समुदाय द्वारा किये जा रहे मानवीय कार्यो के बारे में प्रेरणादायक गाथाओं व कहानियों को इस मंच के माध्यम से प्रसारित कर रहा है।

सिखलेंस फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एज्यूकेशनल आपरच्युनिटीज (अवसरांे), फैलोशिप, फिल्म जगत में स्कॉलरशिप, अगली पीढ़ी को मुख्यधारा से जोड़ने के लिये फिल्म निर्माण, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, आग्युमेंटिड रियेल्टी, ब्राडकॉस्ट एंड न्यू मीडिया, उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, लेखकों, फिल्म निर्माताओं और कलाकारों का समर्थन करने के साथ साथ संस्कृति, डायसपोरा (प्रवासी) और विरासत को जीवांत रखने में प्रयासरत है।

इस वर्ष फेस्टिवल में हेरिटेज आर्टिफेक्ट एग्जीबिटर्स, लेखक, ओलंपियन, उभरते संगीत कलाकार, समाजसेवी, धार्मिक विद्वान, डिप्लोमेट्स दर्शकों के सम्मुख पेश आएंगे जो अपने अपने संबंधित विषयों पर चर्चा करेंगें।

सिखलेंस के संस्थापक बिक्की सिंह ने बताया कि सभी फिल्में और प्रदर्शनियां सभी विजिटर्स के लिये मुफ्त दिखाई जायेंगीं। टैगोर थियेटर के मुख्य हॉल में दिखाई जाने इन फिल्मों के साथ साथ सुबह 11 बजे से शाम सात बजे तक एक विस्तृत एग्जीबिशन भी आयोजित की जायेगी जिसमें सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, कलाकृतियों, डाक टिकट, पेटिंग्स, फोटोग्राफी, किताबों की झलक दिखेंगीं। सिखलेंस 2024 कैलेंडर में कनाडा की प्रोफेशनल कलाकार जपनीत कौर का काम शामिल है जोकि मूल रुप से चंडीगढ़ से हैं।

इवेंट्स में संगीत प्रेमियों को आनंदित करने के लिये गुरमत संगीत व रबाब संगीत के साथ म्युिजिकल परफोरमेंस शामिल होंगें। दिन के दौरान थियेटर प्ले परफोरमेंस, स्कूली लड़कियों द्वारा जफरनामा रिडिंग्स, सिख मार्शल आर्ट - गतका और अंत में भांगड़ा शामिल हैं। इनके अलावा विभिन्न कलाकार और प्रोफेशनल्स अपनी प्रतिभाओं से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते रहेंगें।

सिखलेंस इंडिया के इंडिया हेड और फेस्टिवल डायरेक्टर ओजस्वी शर्मा ने बताया कि इस आयोजन से पूर्व वर्ष 2020, 2021, 2022 और 2023 में सिखलेस का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। इसके पांचवे संस्करण को लेकर वे अति उत्साहित हैं। उन्होंनें बताया कि इस प्रयास में वे दुनिया भर के सिखों की खूबसूरत संस्कृति और विरासत में विविधता का प्रदर्शेन करेंगें। उनके अनुसार इस आयोजन का विस्तार हर साल बढ़ रहा है। उन्होंनें उम्मीद जताई कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से वे डायस्पोरा (प्रवासियों) से नये और उभरते कलाकारों के साथ संबंधों को मजबूत किया जा सकेगा।

इस साल 17 ओरिजनल फिल्मों की एक व्यापक रेंज है जिसमें 16 शार्ट फिल्में, डाक्यूमेंट्री, संगीत और एक फीचर फिल्म - '1947: ब्रेस्क्सिट इंडिया' शामिल है। आयोजकों के अनुसार इस वर्ष उनका फोकस सिख डायसपोरा और महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करना है। सभी आयु वर्ग के लोगों के लिये फिल्मों के साथ साथ प्लांड परफॉर्मेंस भी पेश की जायेंगीं।

फेस्टिवल में प्रवेश सभी के लिये मुफ्त है और स्क्रीनिंग टाईम और परफॉर्मेंस को मीडिया, सोशल मीडिया, ऑफिशियल वैबसाईट तथा पार्टनर वैबसाईटों के माध्यम से साझा किया जायेगा।

भारत में सिखलेंस का अब तक का सफल काफी उत्साहवर्धक रहा है । यह आयोजन हर साल टैगोर थियेटर में आयोजित किया जाता है जिसमें हजारों भारतीय और इंटरनेशनल विजिटर्स शामिल होते हैं।